



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 161]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 27, 2004/श्रावण 5, 1926

No. 161]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 27, 2004/SRAVANA 5, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

जांच प्रारंभ अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 2004

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्लोरो इथाइलीन (पीटीएफई) के आयात से संबंधित पाटन रोधी जांच प्रारंभ करना।

सं. 14/25/2003-डीबीएडी.—मै. हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि., हैदराबाद ने विनिर्दिष्ट प्राधिकारी (इसमें इसके पश्चात् प्राधिकारी के रूप में उल्लिखित) के समक्ष सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1995 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, मूल्यांकन और पाटनरोधी शुल्क की वसूली तथा क्षति निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्लोरोइथाइलीन (पीटीएफई) के पाटन का आरोप लगाते हुए एक याचिका दायर की है और पाटनरोधी जांच पड़ताल शुरू करने तथा पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्लोरोइथाइलीन (पीटीएफई) (इसमें इसके पश्चात् संबद्ध वस्तु के रूप में भी उल्लिखित) है। संबद्ध वस्तु सुमेलीकृत प्रणाली के आधार पर भारतीय व्यापार वर्गीकरण में सीमाशुल्क उपशीर्ष 390461 और 39046100 के अधीन वर्गीकृत है। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में जांच पड़ताल शुरू की जा रही है चाहे उनका वह वर्गीकरण कोई भी हो जिसके अंतर्गत उनका आयात किया जा रहा है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और इन जांच पड़तालों की व्याप्ति पर किसी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

पीटीएफई का उत्पादन विभिन्न ग्रेडों जैसे मोल्टिंग ग्रेड, फाइन पाउडर, एक्वस डिस्पर्सन्स और कंपाउंड ग्रेडों में किया जाता है तथा सभी ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल हैं। पी टी एफ ई को मुख्यतः उसकी अद्वितीय विशेषताओं के कारण बिजली, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक और रासायनिक उद्योगों में प्रयोग किया जाता है। इसकी विशेषताएं रासायनिक इन्वर्टनेस, विद्युतीय और तापीय प्रतिरोध, घर्षण का कम गुणांक, नॉन-टॉक्सिक, अज्वलनशील, विकिरण के प्रति प्रतिरोध, स्थिर और गतिशील घर्षण का कम स्तर और व्यापक बारंबारता शृंखला पर उत्कृष्ट विद्युतीय गुण हैं।

2. घरेलू उद्योग की स्थिति

यह याचिका मै0 हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि., हैदराबाद द्वारा दायर की गई है और वे भारत में संबद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक हैं। प्राधिकारी ने उपर्युक्त की जांच करने के पश्चात् यह निर्धारण किया है कि याचिकाकर्ता नियम 2(घ) के साथ पठित 2(ख) के अर्थों में घरेलू उद्योग है और वह उपर्युक्त नियमों के नियम 5(3)(क) के अनुसार याचिका दायर करने की स्थिति के मानदंड को पूरा करता है।

3. सम्मिलित देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन. गण. (इसमें इसके पश्चात् संबद्ध देश के रूप में भी उल्लिखित) है।

4. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देश के मूल से अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु हैं। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित वस्तु में कोई विशेष अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता का दावा है कि दोनों वस्तुओं को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित किया जा सकता है। इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को उपर्युक्त नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के समान वस्तु समझा जा रहा है।

5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि चीन जन. गण. को एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था समझा जाना है और सामान्य मूल्य को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 व 8 के अनुसार निर्धारित किया जाना है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से आयातित संबद्ध वस्तु के लिए दावा किए गए सामान्य मूल्य के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ता ने डीजीसीआईएण्डएस द्वारा प्रकाशित किए गए आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का दावा किया है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, तथा निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन प्रहस्तन और पत्तन प्रभारों को कारखाना बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए समायोजनों का दावा किया गया है। निर्यात कीमत और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के लिए दावा किए गए समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

7. पाटन मार्जिन

प्रथम दृष्ट्या यह साक्ष्य है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना बाह्य निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह मालूम होता है कि निर्यातक द्वारा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न मानदंडों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है। मानदंड जैसे, संबद्ध देश से आयातों की संपूर्ण मात्रा में वृद्धि, सकल आयातों और सकल माँग में संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि, संबद्ध देशों से आयात कीमतों में कमी, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट, वस्तु सूची में पर्याप्त वृद्धि, घरेलू बिक्री कीमत में कमी, लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर लाभ में काफी विकृति, कीमत में कटौती और कीमत में कमी से प्रथम दृष्ट्या सामूहिक और संचयी रूप से यह मालूम होता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण पर्याप्त वास्तविक क्षति हुई है।

9. पाटनरोधी जाँच को शुरू करना

निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त पैराग्राफों की दृष्टि से संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव की पाटनरोधी जाँच शुरू करते हैं।

10. जाँच की अवधि

वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि 1 जनवरी, 2003 से 31 दिसम्बर, 2003 (12 महीने) है।

11. सूचना प्रस्तुत करना

इस जाँच से संबंधित होने के लिए ज्ञात संबद्ध देशों में निर्यातकों तथा भारत में आयातकों को निर्धारित प्रारूप में और तरीके से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार, कमरा सं० 243, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011 को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग-अलग संबोधित किया जा रहा है। उपर्युक्त नियमों के नियम 6(5) के अनुसार विनिर्दिष्ट प्राधिकारी जाँच के अंतर्गत आने वाली वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं और सूचना प्रस्तुत कर सकने वाले उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों को पाटन, क्षति और आपातकाल के बारे में जाँच से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी निम्न प्रकार निर्धारित समय सीमा के भीतर जाँच से संबंधित अपने निवेदन कर सकता है।

12. समय सीमा

वर्तमान जाँच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए ताकि वह इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुँच जाए। तथापि, ज्ञात निर्यातक और आयातक, जिन्हें अलग-अलग संबोधित किया जा रहा है, को उन्हें अलग-अलग लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत करना आवश्यक है। यह भी नोट किया जाए कि कोई भी अनुरोध निर्धारित समय-सीमा को बढ़ाने के लिए नहीं माना जाएगा।

13. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य/आवेदन के अगोपनीय रूपान्तर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है। किसी मामले में यदि कोई हितबद्ध पक्षकार सूचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना देने से इन्कार करता है अथवा इसे अन्य प्रकार से प्रदान नहीं करता है अथवा जाँच में काफी बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकता है और केंद्र सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकता है जिन्हें वह उचित समझे।

अभिजित सेनगुप्त, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 27th July, 2004

Subject : Initiation of Anti-dumping Investigations concerning import of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR.

No. 14/25/2003-DGAD.—M/s. Hindustan Fluorocarbons Ltd., Hyderabad, has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR and has requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration in the present case is "Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR" (also referred to as subject goods hereinafter). The subject goods are classified under Customs subheading 390461 and 39046100 in the Indian Trade Classification based on Harmonized system. Investigations are being initiated with respect to product under consideration irrespective of the classification under which they are being imported. Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of these investigations.

PTFE is produced in various grades like molding grade, fine powder, aqueous dispersions and compound grades of filled grades and all grades are included within the scope of the product under consideration. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for their unique characteristics which are chemical inertness, electrical and thermal insulation, low

coefficient of friction, non toxic, non flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.

2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING

The petition has been filed by M/s Hindustan Fluorocarbons Ltd, Hyderabad and they are the sole producer of the subject goods in India. The Authority after examining the above, determines that the petitioner constitutes a domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and it satisfies the criteria of standing to file the petition in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

3. COUNTRY INVOLVED

The country involved in the present investigation is China PR (hereinafter also referred to as subject country).

4. LIKE GOODS

The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject country. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject country. The Petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable. Therefore, for the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the product imported from the subject country within the meaning of the Rules, supra.

5. NORMAL VALUE

The Petitioner has claimed that China PR has to be treated as a non-market economy and normal value has to be determined in accordance with the Para 7 and 8 of Annexure I of the Anti Dumping Rules. The authority notes that there is sufficient evidence of the Normal value claimed for the subject goods from China PR.

6. EXPORT PRICE

The Petitioner has claimed the export price of the subject goods from the subject country based on the data published by DGCIS. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, and inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at the Export Price at ex-factory level. There is sufficient evidence of the export price and the adjustments claimed for the subject goods from subject country.

7. DUMPING MARGIN

There is, prima facie, evidence that the Normal Value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country.

8. INJURY AND CAUSAL LINK

The Petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury to the domestic industry. Parameters such as increase in the absolute volume of imports from the subject country, increase in the market share of imports from the subject countries in total imports and total demand, decline in the import prices from the subject country, decline in the market share of the domestic industry, significant rise in the inventory, decline in the domestic selling price, significant deterioration in profits, cash flow and return on investment, price undercutting, and price depression prima facie, indicate collectively and cumulatively that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from subject country.

9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

10. PERIOD OF INVESTIGATION

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st January 2003 to 31st December 2003 (12 months).

11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce, Government of India, Room No. 243, Udyog Bhavan, New Delhi – 1100 11.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation, and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

12. TIME LIMIT

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

13. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence/application submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority